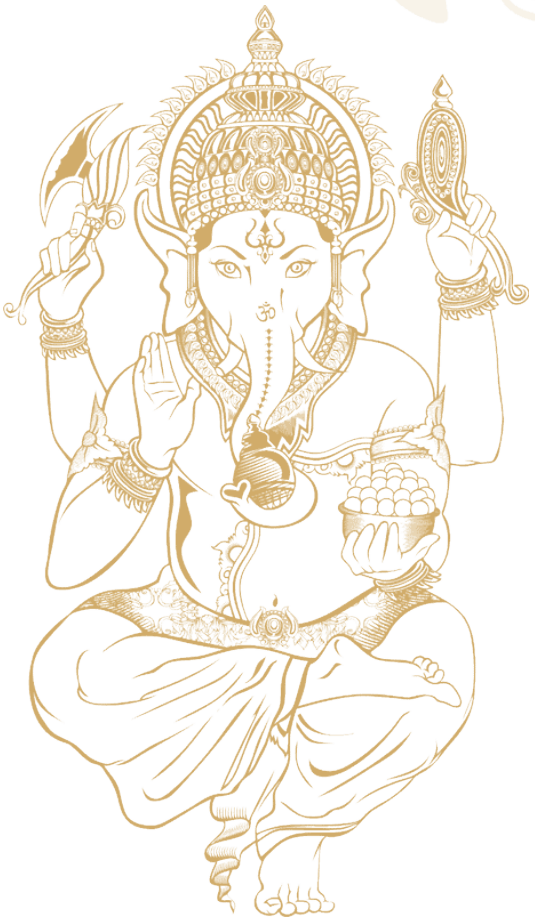

T.....

08 Jan 2026

05:10 PM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 120872702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**17:10:00 घंटे**
इष्ट	24:08:54 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:42:04 घंटे
वेलान्तर	-00:06:36 घंटे
साम्पातिक काल	23:54:13 घंटे
सूर्योदय	07:30:26 घंटे
सूर्यास्त	17:39:05 घंटे
दिनमान	10:08:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:58:26 धनु
लग्न के अंश	18:40:50 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:40:50	312:32:27	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	23:58:26	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	29:12:36	12:47:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	24:13:17	00:46:16	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	16:01:05	01:34:18	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	26:08:20	00:08:05	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	24:24:10	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मीन	02:25:25	00:04:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:04:15	00:01:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:04:15	00:01:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:32:27	00:01:20	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:23:34	00:00:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:43:34	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:12:20	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

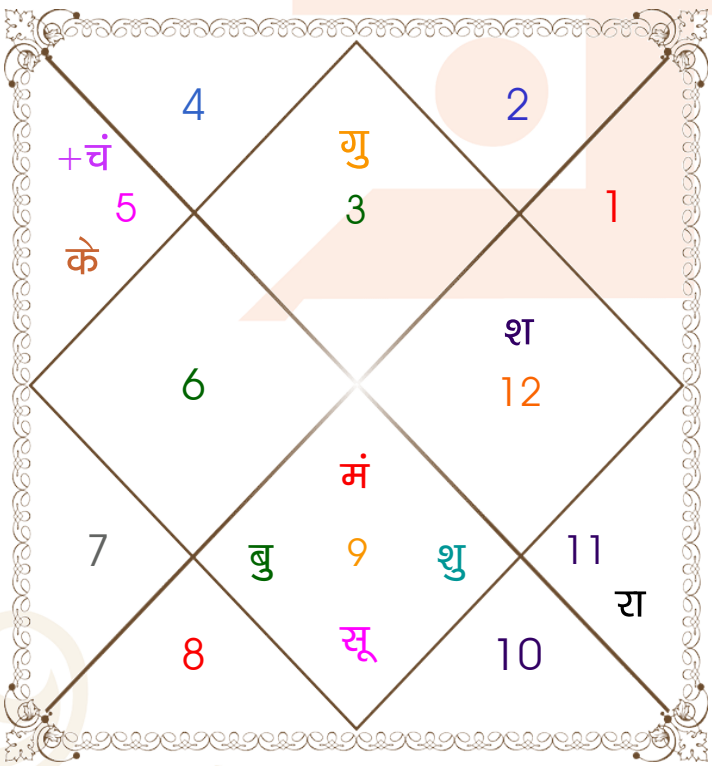

चन्द्र कुंडली

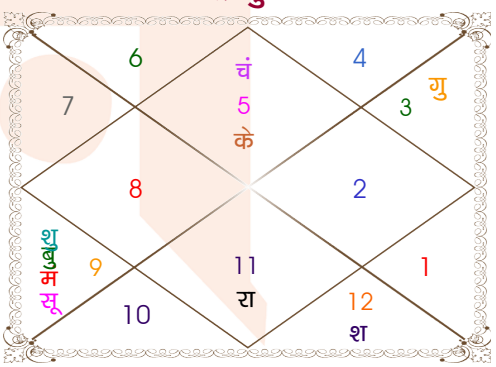

नवमांश कुंडली

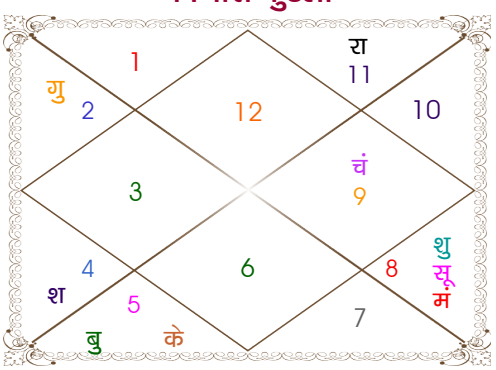

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 10 मास 8 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/01/2026		17/11/2030		16/11/2040		17/11/2047		16/11/2065	
17/11/2030		16/11/2040		17/11/2047		16/11/2065		16/11/2081	
	00/00/0000	चंद्र	17/09/2031	मंगल	14/04/2041	राहु	30/07/2050	गुरु	05/01/2068
	08/01/2026	मंगल	17/04/2032	राहु	03/05/2042	गुरु	23/12/2052	शनि	18/07/2070
मंगल	10/01/2026	राहु	17/10/2033	गुरु	09/04/2043	शनि	30/10/2055	बुध	23/10/2072
राहु	05/12/2026	गुरु	16/02/2035	शनि	18/05/2044	बुध	18/05/2058	केतु	29/09/2073
गुरु	23/09/2027	शनि	16/09/2036	बुध	15/05/2045	केतु	06/06/2059	शुक्र	30/05/2076
शनि	04/09/2028	बुध	16/02/2038	केतु	11/10/2045	शुक्र	05/06/2062	सूर्य	18/03/2077
बुध	12/07/2029	केतु	17/09/2038	शुक्र	11/12/2046	सूर्य	30/04/2063	चंद्र	18/07/2078
केतु	16/11/2029	शुक्र	18/05/2040	सूर्य	18/04/2047	चंद्र	29/10/2064	मंगल	24/06/2079
शुक्र	17/11/2030	सूर्य	16/11/2040	चंद्र	17/11/2047	मंगल	16/11/2065	राहु	16/11/2081

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/11/2081		17/11/2100		17/11/2117		17/11/2124		17/11/2144	
17/11/2100		17/11/2117		17/11/2124		17/11/2144		00/00/0000	
शनि	19/11/2084	बुध	16/04/2103	केतु	16/04/2118	शुक्र	19/03/2128	सूर्य	07/03/2145
बुध	30/07/2087	केतु	12/04/2104	शुक्र	16/06/2119	सूर्य	19/03/2129	चंद्र	05/09/2145
केतु	07/09/2088	शुक्र	11/02/2107	सूर्य	22/10/2119	चंद्र	18/11/2130	मंगल	09/01/2146
शुक्र	08/11/2091	सूर्य	18/12/2107	चंद्र	22/05/2120	मंगल	18/01/2132		00/00/0000
सूर्य	20/10/2092	चंद्र	19/05/2109	मंगल	18/10/2120	राहु	18/01/2135		00/00/0000
चंद्र	21/05/2094	मंगल	16/05/2110	राहु	05/11/2121	गुरु	18/09/2137		00/00/0000
मंगल	30/06/2095	राहु	02/12/2112	गुरु	12/10/2122	शनि	17/11/2140		00/00/0000
राहु	06/05/2098	गुरु	10/03/2115	शनि	21/11/2123	बुध	18/09/2143		00/00/0000
गुरु	17/11/2100	शनि	17/11/2117	बुध	17/11/2124	केतु	17/11/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 10 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।